ब्रह्मपुर-पीयूआरसी(ओडिशा)। ब्रह्मपुर विश्व विद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ के ब्रह्मपुर सबज़ोन की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. मंजू दीदी एवं राजयोगिनी ब्र.कु. माला दीदी।

बहादुरगढ़-हरियाणा। माननीय मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सुरेन्द्र भाई व ब्र.कु. विनीता दीदी। साथ हैं भाजपा नेता दिनेश शेखावत, भाजपा जिला अध्यक्ष राजपाल शर्मा तथा ब्र.कु. रूबी बहन।

निजी गुण, कर्म और स्वभाव की समानता के आधार पर महानता

हम आये हैं गुप्त वेश में स्वराज्य स्थापन करने

गतांक से आगे...

जैसा कि पिछले अंक में आपने पढ़ा कि हमारे ज्ञान का आदि-मध्य-अन्त क्या हुआ? हम यह सोचें कि हम भी वहाँ से आये हैं। पृथ्वी पर पाँव हमारे हों, लेकिन हमें अनुभव ऐसा हो,

> इस माया नगरी में, पुरानी दुनिया में हम गुप्त वेश में जो सतयुगी स्वराज्य है उसको स्थापन करने के लिए आये हैं तो मन की स्थिति कैसी रहेगी? वैराग्य, त्याग अपने आप ही आयेगा। योग अपना स्वयं ही लगेगा, देह से न्यारापन स्वतः ही आयेगा। इस एक बात को याद रखने से कि हम ब्रह्मा बाबा के बच्चे हैं और ब्रह्मा बाबा ही के लिए जब कहा गया कि वह ब्रह्म से पधारे हैं, तो हम भी वहाँ से पधारी हुई आत्मायें हैं, जो कि लाइट के देश से आई हैं और स्वयं लाइट और माइट के स्वरूप हैं तो निराकारी स्थिति स्वयं हो जायेगी।

याद हमारी ऐसी हो कि हम लाइट के हैं और ब्रह्म से आये हैं तो वह तो लाइट का देश है, साइलेंस का देश है, पवित्रता का देश है, तो ऐसे उस देश से हम आये हैं तो हमारे बोल, गुण, कर्म, स्वभाव अपने आप ही बदलेंगे, तो यह मत भूलो। आइए अब आगे पढ़ते हैं...

ब्रह्माकुमारी और ब्रह्माकुमार वह है जिसको पहली-पहली बात यह याद रहे, लोग किसी से झगड़ा भी करते हैं, बात भी करते हैं, किसी को टोकते हैं, कहते हैं- तू क्या समझता है अपने आपको? तू कहीं ऊपर से उतरा है क्या? तू भी इस दुनिया का है, हम भी इस दुनिया के हैं... तू कोई विशेष है क्या? और हम क्या समझते हैं कि हम तो सचमुच में ऊपर से उतरे हैं। वह कह देते हैं कि ऊपर से उतरा है, ऊपर कहाँ है? क्या है? कैसे उतरना होता है? वह उनको पता नहीं है। तो यह अगर हमको याद रहे कि इस दुनिया में तो हम मुसाफिर हैं। यह सराय है, मुसाफिरखाना है। और हम तो यहाँ से जाने वाले हैं। इस माया नगरी में, पुरानी दुनिया में हम गुप्त वेश में जो सतयुगी स्वराज्य है उसको स्थापन करने के लिए आये हैं तो मन की स्थिति कैसी रहेगी? वैराग्य, त्याग अपने आप ही आयेगा। योग अपना स्वयं ही लगेगा, देह से न्यारापन स्वतः ही आयेगा। इस एक बात को याद रखने से कि हम ब्रह्मा बाबा के बच्चे हैं और ब्रह्मा बाबा ही के लिए जब कहा गया कि वह ब्रह्म से पधारे हैं, तो हम भी वहाँ से पधारी हुई आत्मायें हैं, जो कि लाइट के देश से आई हैं और स्वयं लाइट और माइट के स्वरूप हैं तो निराकारी स्थिति स्वयं हो जायेगी।

फिर ब्रह्मा बाबा तो ब्रह्मणादि का पिता है। तो ब्राह्मणों के जो श्रेष्ठ, जो परम आदरणीय हैं वह ब्रह्मा बाबा हैं। जब कोई अपने को ब्रह्माकुमार -ब्रह्माकुमारी कहलाता है तो यह उपाधि, यह डिग्री जो है, इससे श्रेष्ठ और क्या हो सकती है? जो सारी दुनिया को रचने वाले ब्रह्मा हैं उनके हम कुमार-कुमारियां हैं, जिसको बाबा कहते हैं आप साहबजादे, साहबजादियां हैं, अपने को साधारण मत समझो। तो जब साहबजादे, साहबजादियां हैं तो हमारे कर्म कैसे होने चाहिए? चलन कैसी होनी चहिए? रॉयल। हमें कुल के हिसाब से चलना चाहिए, जैसे राजकुमार कैसे चलेगा? वह समझेगा मैं राजकुल का हूँ।

जो कोई पढ़ा लिखा, अच्छे कुल का व्यक्ति होगा वह कोई भी काम करेगा सोच-समझकर, अपने कुल की मर्यादा का ख्याल करके करेगा। तो हम ब्रह्मा की सन्तान हैं, ब्रह्मा सारी सृष्टि के आदि पिता रचयिता हैं और वह ब्राह्मणों के भी आदि पिता हैं और स्वयं शिवबाबा ब्रह्मा के मुख से कहते हैं कि आप साहबजादे और साहबजादियां हैं तो हमारे कर्म कैसे होने चाहिए? तो ब्रह्माकुमारी को हमेशा यह सोचना चाहिए कि सारी दुनिया की निगाह हमारे ऊपर है। सफेद कपड़ा हमने पहन लिया और अब यह दुनिया में मशहूर हो गया कि जिसने पूर्ण रूप से ऐसे सफेद वस्त्र धारण किये हो, बैज भी लगाया हुआ हो तो लोग समझ जाते हैं कि यह ब्रह्माकुमार-कुमारी हैं। तो उनका बोल, उनका उठना, बैठना, बात करने का तरीका कैसा होना चाहिए? हमने कितनी बड़ी ज़िम्मेवारी ले ली है, यह कितना बड़ा टाइटल हमें मिला है, उसमें ना केवल हमें अपने सौभाग्य पर गर्व होना चाहिए कि इतनी जल्दी हमको इतना ऊंचा पद मिल गया। कोई प्रेजीडेंट बनता है, वाइस प्रेजीडेंट बनता है, सारी आयु राजनीति में गुजार देता है, फिर भी बनता है कि नहीं बनता है और बाबा ने हमको फौरन ही ब्रह्माकुमारी बना दिया, ब्रह्माकुमार बना दिया, यह टाइटल दे दिया। जो विश्व के शिरोमणि आत्मायें हैं, जो हीरो पार्टधारी हैं, वह टाइटल हमको दे दिया - यह कितनी बड़ी बात है! तो बाबा ने कोई ट्रस्ट करके आपमें विश्वास रखके, आपके ऊपर एतबार करके कि आप ऐसी आत्मायें हैं तभी आप यहाँ आये हैं, यह बनने के लिए दावा आपने लगाया है। तो बाबा ने जिसमें विश्वास किया है उसको अगर हम न निभायें, तो विश्वास तोड़ने को क्या कहा जाता है - विश्वासघात।

- क्रमशः

राजयोगी ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

नई दिल्ली। डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर,जनपथ रोड में ब्रह्माकुमारीज़ मेडिकल विंग नई दिल्ली एवं सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमेंट मिनिस्ट्री,भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में सौरभ गर्ग,सेक्रेट्री,एमओएसजेई, श्रीमती राधिका चक्रवर्ती,ज्वाइंट सेक्रेट्री,एमओएसजेई, राजेश मक्कर,डिप्टी सेक्रेट्री,एमओएसजेई, राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी,मेम्बर,मैनेजमेंट कमेटी,ब्रह्माकुमारीज़ एंड डायरेक्टर,ओआरसी गुरुग्राम, राजयोगिनी ब्र.कु. शिवानी दीदी,सीनियर राजयोगा टीचर एंड इंटरनेशनल मोटिवेशनल स्पीकर, ब्र.कु. डॉ. बनारसी लाल शाह,सेक्रेट्री,मेडिकल विंग,ब्रह्माकुमारीज़,माउण्ट आबू, राजयोगिनी ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी,मेडिकल विंग कोऑर्डिनेटर,दिल्ली ज़ोन सहित विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारीगण व मेडिकल विंग के सदस्य गण शामिल रहे। इस मौके पर दिल्ली में नशा मुक्ति हेतु सभी को जागरुक करने के लिए चित्रों से युक्त सेवा वाहन का शुभारंभ किया गया एवं नशा मुक्ति चित्र प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

बांदा-उ.प्र.। शिव जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख स्वर्ण सिंह को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्र.कु. गीता बहन व अन्य ब्रह्माकुमारी बहनें।

कुशीनगर-उ.प्र.। अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा जी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. मीरा बहन। साथ हैं ब्र.कु. स्मिता बहन एवं ब्र.कु. धर्मशिला बहन।

गोगुंदा-उदयपुर(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में 88वीं शिव जयंती पर शिव संदेश शोभा यात्रा निकालकर जन-जन को शिव संदेश दिया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में तहसीलदार ओम सिंह लखावत, उपसरपंच लाल कृष्णा सोनी, उदयपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रीटा दीदी, ब्र.कु. रश्मि बहन व अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

झोझूकलां-हरियाणा। महिला महाविद्यालय झोझूकलां में विश्व युवक केंद्र नई दिल्ली एवं ग्रामीण विकास मंडल के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2024 की थीम 'महिला समृद्धि के लिए निवेश, विकास की नई गति में प्रवेश' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. वसुधा बहन को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया तथा जिला महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी गीता सहारण व जिला पार्षद बहन निशा द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मेडिकल ऑफिसर पूजा मान, पंचायत समिति सदस्य बहन कविता, महिला विंग कोऑर्डिनेटर प्रो. शर्मिला सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अयोध्या-उ.प्र.। पुलिस सुपरिटेंडेंट सहदेव सिंह, शिवसेना अयोध्या के संतोष दुबे तथा अन्य गणमान्य लोगों को ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. सुधा बहन व ब्र.कु. उषा बहन।